राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा चलाया जा रहा विशेष चेकिंग अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 06 मार्च,सहायक आयुक्त (खाद्य)–द्वितीय, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, देवाशीष उपाध्याय ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन के क्रम में आगामी होली एवं रमजान पर्व को दृष्टिगत रखते हुए मिलावटी खाद्य पदार्थों के भण्डारणधविक्रय पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जनपद जौनपुर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा किये जा रहे। प्रवर्तन कार्यवाही के क्रम में 06 मार्च 2025 को सहायक आयुक्त (खाद्य)– द्वितीय के नेतृत्व में खाद्य सचल दल में सम्मिलित है।

वर्ष – 03 | अंक – 197 | जौनपुर | गुरूवार, 06 मार्च 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

सपा लोहिया के रास्ते से भटकी औरंगजेब को बना रही आदर्श - सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी के मुगल बादशाह औरंगजेब की प्रशंसा करने वाले बयान ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी हलचल मचा दी है। बुधवार को विधान परिषद में बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अबू आजमी के बयान पर सपा को आड़े हाथों लेते हुए जमकर फटकार लगाई। योगी ने सपा से अपने विधायक को तत्काल पार्टी से निलंबित करने और उसे उत्तर प्रदेश भेजने की मांग की, साथ ही चेतावनी दी कि यूपी ऐसे लोगों का इलाज करने में देरी नहीं करता। बता दें कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी ने औरंगजेब को श्महान प्रशासकश बताते हुए उसकी प्रशंसा की थी। इस बयान के बाद यूपी विधान परिषद में मुख्यमंत्री ने सपा को आड़े हाथ लिया है। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि सपा भारत की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व नहीं करती और अपने मूल विचारक डॉ. राम मनोहर लोहिया के सिद्धांतों से भटक गई है। उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया ने भारत की एकता के तीन आधार बताए थे– श्रीराम, श्रीकृष्ण और भगवान शिव, लेकिन आज सपा औरंगजेब जैसे क्रूर शासक को अपना आदर्श मान रही है। योगी ने औरंगजेब के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि उसने अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में कैद कर पानी की एक–एक बूंद के लिए तरसाया था। उन्होंने सपा नेताओं को पटना की लाइब्रेरी में शाहजहां की जीवनी पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि शाहजहां ने औरंगजेब को कहा था कि तुम से अच्छा तो हिन्दू है जो जीते जी तो अपने बुजुर्ग मां–बाप की सेवा करता है और मृत्युपरांत वर्ष में एक बार श्राद्ध करते हुए मां–बाप को जल अर्पित करता है। सीएम ने कहा कि जिन लोगों का आचरण औरंगजेब जैसा है वो उस पर गर्व कर सकते हैं। योगी ने सपा पर भारत की आस्था पर प्रहार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि औरंगजेब ने जजिया कर लगाया, मंदिर तोड़े और भारत का इस्लामीकरण करने की कोशिश की। कोई सभ्य मुसलमान अपने बेटे का नाम औरंगजेब नहीं रखता, क्योंकि उसे पता है कि वह उसे एक एक बूंद पानी के लिए तरसा देगा। उन्होंने सपा से सवाल किया कि वह महाकुंभ जैसे आयोजन की आलोचना करती है और दूसरी ओर औरंगजेब जैसे श्दुर्दांत और धर्मांधश शासक का महिमामंडन करती है। मुख्यमंत्री ने सपा को चुनौती दी कि वह अपने विधायक (अबू आजमी) को पार्टी से निकाले और उसे यूपी भेजे, यहां उसका श्उपचारश किया जाएगा। उन्होंने सदन में पूछा कि जो छत्रपति शिवाजी की परंपरा पर लज्जा महसूस करता हो और औरंगजेब को नायक मानता हो, क्या उसे भारत में रहने का अधिकार है? मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद में महाकुम्भ के आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आयोजन न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शविरासत को विकास से जोड़नेश के मंत्र की सराहना की और बताया कि काशी, अयोध्या और प्रयागराज जैसे तीर्थस्थलों ने इस बार रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं को आकर्षित किया, जिससे स्थानीय लोगों की आजीविका में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। सीएम योगी ने कहा कि 2019 से पहले काशी में श्रद्धालुओं की संख्या सीमित थी, लेकिन काशी विश्वनाथ धाम के निर्माण के बाद काशी ने नया रूप लिया। 13 जनवरी से 27–28 फरवरी तक काशी पूरी तरह पैक रही।

स्लम इलाकों के लोगों से मिलेंगी दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता, बजट को लेकर करेंगी बात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बजट को लेकर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता सरकार लगातार लोगों से राय ले रही है। इसी कड़ी में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि मैं स्लम इलाकों में जाकर बहनों और परिवारों से मिलूंगी, इस सरकार से उनकी क्या उम्मीदें हैं, इस बारे में उनसे बात करूंगी। युवाओं और अलग–अलग सेक्टर के प्रोफेशनल्स से चर्चा की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली का बजट लोगों की उम्मीदों को पूरा करेगा। हमने अपने घोषणा पत्र में जो भी वादे किए हैं, उन्हें पूरा करेंगे, चाहे वह सभी महिलाओं को रुपये देने की योजना हो या सिलेंडर। सीएम ने साफ तौर पर कहा कि किसी को हमें यह याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि हमारा एजेंडा चलेगा, उनका (आप) नहीं। दिल्ली सरकार 24 से 26 मार्च के बीच विधानसभा में 2025–26 के लिए 'विकसित दिल्ली' बजट पेश करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''इसे जनता का बजट बनाने के लिए हम पांच मार्च

को विधानसभा परिसर में विभिन्न महिला संगठनों के प्रतिनिधियों से मिलेंगे। इसके अलावा, हम छह मार्च को शिक्षा क्षेत्र के हितधारकों और व्यापारियों के साथ चर्चा करेंगे। उन्होंने एक ईमेल आईडी और एक व्हाट्सऐप नंबर भी साझा किया।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर के तीन जिलों में 16 हथियार सुरक्षा बलों को सौंपे गए

मणिपुर, (एजेंसी)। हिंसाग्रस्त मणिपुर के तीन घाटी जिलों में लोगों ने 16 प्रकार के आग्नेयास्त्र और गोला–बारूद सुरक्षा बलों को सौंपे। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 20 फरवरी को राज्य के लोगों से लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को सात दिनों के भीतर स्वेच्छा से सौंपने का आग्रह किया था और आश्वासन दिया था कि उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। बाद में, उन्होंने पहाड़ी और घाटी दोनों क्षेत्रों के लोगों की मांग पर समय सीमा छह मार्च शाम चार बजे तक के लिए बढ़ा दी थी। अधिकारियों ने बताया कि बिष्णुपुर जिले में राज्य पुलिस की कमांडो इकाई को सौंपे गए आग्नेयास्त्रों में दो एसएलआर राइफल, खाली मैगजीन, एक इंसास राइफल, .303 राइफल, एक हथगोला और गोलियां शामिल थे। जिले के कुम्बी और फोगाकचाओ इखाई पुलिस थानों में लोगों ने स्थानीय रूप से निर्मित दो बोल्ट एक्शन राइफल, देसी पिस्तौल और एक एसएमजी कार्बाइन सुरक्षा बलों को सौंपे। इम्फाल पूर्व में तीन पिस्तौल, गोला–बारूद का एक बड़ा जखीरा और तीन ग्रेनेड राज्य पुलिस की कमांडो इकाई तथा पोरोम्पट, एंड्रो और इरिलबुंग पुलिस थानों में सौंपे गए।

टायर फटने से बेकाबू हुई कार ने चार लोगों को कुचला

लखनऊ, (एजेंसी)। लखनऊ के हसनगंज इलाके में बुधवार को टायर फटने से बेकाबू हुई कार की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई तथा इतने ही अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना हसनगंज थाना क्षेत्र के नदवा रोड पर रात करीब एक बजे हुई जब तेज गति से जा रही एक कार टायर फटने से अनियंत्रित हो गयी और उसने डिवाइडर पर सो रहे चार लोगों को कुचल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि कार लोहे के खंभे से टकराने के बाद रुक गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घायल हुए चारों लोगों को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनमें से दो को मृत घोषित कर दिया।

गोदावरी जल योजना के बारे में तेलंगाना को चिंता करने की जरूरत नहीं - नायडू

अमरावती, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने तेलंगाना के लोगों को आश्वासन दिया कि गोदावरी नदी के पानी को पोलावरम से बानाकाचेरला की ओर मोड़ने की उनकी सरकार की योजना के बारे में उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल उस अतिरिक्त पानी का उपयोग करना है, जिसका इस्तेमाल नहीं किया गया तो वो समुद्र में बह जाएगा। विधान परिषद के दो स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में हुए चुनावों में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) की जीत का जश्न मनाने के लिए वे आयोजित पार्टी बैठक में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एक राजनीतिक पार्टी समुद्र में बह रहे पानी को बचाने की आंध्र प्रदेश की रणनीति का 'राजनीतिकरण' कर रही है। नायडू ने कहा, ''मैं फिर से अपील कर रहा हूं कि जब समुद्र में बहने वाले पानी को अकालग्रस्त क्षेत्र में ले जाया जाता है तो किसी को बुरा नहीं लगना चाहिए। सभी को इसके बारे में सोचना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि आंध्र प्रदेश को

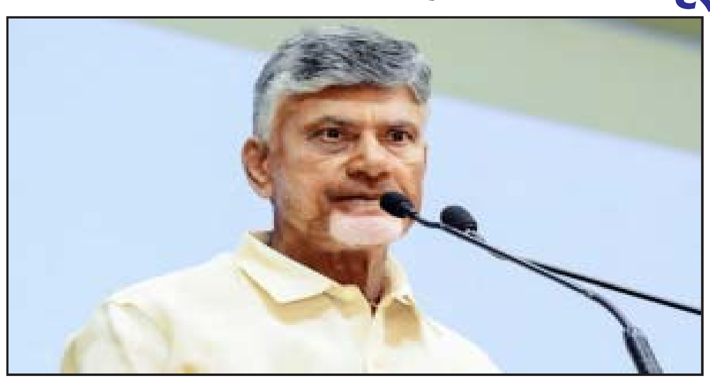

समुद्र में जाने वाले पानी का मार्ग बदलने का क्या अधिकार है। नायडू ने आश्चर्य व्यक्त किया कि तेलुगु समाज किस ओर जा रहा है। पोलावरम–बनकाचेरला लिंक परियोजना का लक्ष्य पोलावरम में गोदावरी नदी से 200 टीएमसी बाढ़ के पानी को एक नहर के माध्यम से नंदयाल जिले के बनकाचेरला तक पहुंचाना है।

बजट में विकसित भारत का खाका सामने आया – पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बजट के बाद रोजगार पर वेब गोष्ठी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि लोगों में और नवाचार आधारित विषयों में निवेश करना विकसित भारत की रूपरेखा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बजट 2025–26 में विकसित भारत का खाका सामने आया है। इसमें बुनियादी ढांचे और कौशल विकास को समान महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन युवाओं के लिए रोजगार पैदा कर सकता है। इस क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा मिलने से जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी बढ़ेगी। हमें प्रतिभा को बढ़ावा देने, कौशल विकास और नवाचार जैसे क्षेत्रों में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एआई शोध के लिए एक राष्ट्रीय लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) स्थापित करेगा और इस क्षेत्र में निवेश के लिए कहा जाएगा। रोजगार सृजन को महत्व देते हुए सरकार ने 2014 से अब तक तीन करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि हमने इस बजट में 10 हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटों की घोषणा की है। हम अगले 5 सालों में मेडिकल लाइन में 75 हजार सीटें जोड़ने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में टेली–मेडिसिन सुविधा का विस्तार हो रहा है। डे–केयर कैंसर सेंटर और डिजिटल स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचा के जरिए हम गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को लास्ट माइल तक पहुंचाना चाहते हैं। मोदी ने कहा कि इस बजट में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने

के लिए कई फैसले लिए गए हैं। देश भर में पर्यटन के लिए 50 गंतव्य पर फोकस करते हुए विकसित किया जाएगा। इन गंतव्य में होटलों को आधारभूत संरचना का दर्जा दिए जाने से पर्यटन में आसानी बढ़ेगा, स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम मिशन के माध्यम से भारत की समृद्ध पांडुलिपि विरासत को संरक्षित करने की घोषणा बहुत ही अहम है। इस मिशन के माध्यम से एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को डिजिटल फॉर्म में बदला जाएगा। नरेंद्र मोदी ने कहा कि फरवरी में ही भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर के शानदार टिप्पणियों भी हम सबके सामने हैं।

राहुल गांधी के मामले में लखनऊ से बरेली पहुंचे वकील, कोर्ट में दाखिल किया वकालतनामा

बरेली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर वाद के मामले में उनके वकील प्रियांशु अग्रवाल और यासीर अब्बासी बुधवार को बरेली पहुंचे। लखनऊ से आए वकीलों ने कोर्ट में वकालतनामा दाखिल किया। राहुल गांधी का आधार कार्ड भी जमा किया गया है। स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए के विशेष लोक अभियोजक अचिन द्विवेदी ने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वकीलों ने जवाब देने के लिए पांच सप्ताह का समय मांगा था। इस पर कोर्ट ने दो अप्रैल की तारीख दी है।

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर बयान दिया था। हिंदूवादी संगठनों की ओर से इसका तीखा विरोध हुआ था। इसी मामले में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक की ओर से जून 2024 में निजी कोर्ट में अर्जी दी गई थी, जिसमें राहुल गांधी के बयान से भावनाएं होने का आरोप लगाकर मुकदमा कायम करने की अपील की गई थी। उस वक्त अर्जी को खारिज कर दिया गया था। इस आदेश के संबंध में पंकज पाठक ने रिवीजन याचिका दाखिल की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। इसकी निगरानी स्पेशल कोर्ट एमपी एमएलए में चल रही है। मामले में राहुल गांधी के खिलाफ कई समन जारी हो चुके हैं। विशेष लोक अभियोजक अचिन द्विवेदी ने बताया कि समन पर राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए।

महाराष्ट्र में अबू आजमी पर कार्रवाई को लेकर भड़के अखिलेश

लखनऊ,संवाददाता। महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी के औरंगजेब पर दिए गए बयान से यूपी में सियासी तूफान आ गया है। बुधवार को विधान परिषद को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा को जमकर घेरा और अबू आजमी को पार्टी से निकालने की मांग की और साथ ही चेतावनी दी कि ऐसे विधायक को यूपी भेजा जाए यूपी ऐसे लोगों का इलाज करने में देरी नहीं करता है। इस पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि निलंबन का आधार यदि विचारधारा से प्रभावित होने लगेगा तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और परतंत्रता में क्या अंतर रह जाएगा। हमारे विधायक हों या सांसद उनकी बेखौफ दानिशमंदी बेमिसाल है। कुछ लोग अगर सोचते हैं कि 'निलंबन' से सच

की जुबान पर कोई लगाम लगा सकता है तो फिर ये उनकी नकारात्मक सोच का बचपना है। आजाद ख्याल कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! बता दें कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी ने औरंगजेब को श्महान प्रशासकश बताते हुए उसकी प्रशंसा की थी। इस बयान के बाद यूपी विधान परिषद में मुख्यमंत्री ने सपा को आड़े हाथ लिया है। निलंबन का आधार यदि विचारधारा से प्रभावित होने लगेगा तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और परतंत्रता में क्या अंतर रह जाएगा। हमारे विधायक हों या सांसद उनकी बेखधैफ दानिशमंदी बेमिसाल है। कुछ लोग अगर सोचते हैं कि 'निलंबन' से सच की जुबान पर कोई लगाम लगा सकता है तो फिर ये उनकी नकारात्मक सोच मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि सपा भारत की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व नहीं करती और अपने मूल विचारक डॉ. राम मनोहर लोहिया के सिद्धांतों से भटक गई है। उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया ने भारत की एकता के तीन आधार बताए थे– श्रीराम, श्रीकृष्ण और भगवान शिव, लेकिन आज सपा औरंगजेब जैसे क्रूर शासक को अपना आदर्श मान रही है। योगी ने औरंगजेब के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि उसने अपने पिता शाहजहां को आगरा किले में कैद कर पानी की एक–एक बूंद के लिए तरसाया था। उन्होंने सपा नेताओं को पटना की लाइब्रेरी में शाहजहां की जीवनी पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि शाहजहां ने औरंगजेब को कहा था कि तुम से अच्छा तो हिन्दू है जो जीते जी तो अपने बुजुर्ग मां–बाप की सेवा करता है और मृत्युपरांत वर्ष में एक बार श्राद्ध करते हुए मां–बाप को जल अर्पित करता है।

केजरीवाल न तो राज्यसभा जा रहे और न ही पंजाब के सीएम बन रहे, वीआईपी काफिला पर भी आप ने दी सफाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा में अपने संभावित प्रवेश को लेकर चल रही चर्चा के बीच, आम आदमी पार्टी (आप) के अरविंद केजरीवाल इस समय 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान शिविर में भाग लेने के लिए पंजाब में हैं। हालाँकि, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री की उनके विशाल काफिले के लिए आलोचना की गई, ।।च सांसद स्वाति मालीवाल ने व्यंग्यात्मक कटाक्ष करते हुए कहा कि काफिला ष्डोनाल्ड ट्रम्प के काफिले से भी बड़ा था। केजरीवाल और उनकी पत्नी सुनीता होशियारपुर के पास धम्म धजा विपश्यना केंद्र में बुधवार से शुरू होने वाले ध्यान पाठ्यक्रम में भाग लेंगे। भाजपा और कांग्रेस ने भी केजरीवाल के काफिले को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, इसको लेकर अब आप की सफाई आ गई है। आप प्रवक्ता

प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को लेकर खतरे की आशंका के चलते गृह मंत्रालय की ओर से उन्हें जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। बीजेपी को गंदी राजनीति छोड़नी चाहिए और अपना ध्यान दिल्ली से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रखना चाहिए। अरविंद केजरीवाल को गाली देने से कुछ नहीं होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल न तो पंजाब से राज्यसभा जा रहे हैं और न ही पंजाब के सीएम बन रहे हैं। बीजेपी को अफवाह फैलाने से दूर रहना चाहिए। भव्य सुरक्षा परेड की किस तरह की विपश्यना की आवश्यकता है? उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल, जो कभी वैगनआर में एक आम आदमी होने का दिखावा करते थे, अब बुलेटप्रूफ लैंड क्रूजर, 100 से अधिक पंजाब पुलिस कमांडो, जैमर और एम्बुलेंस के एक भव्य काफिले में एक वीआईपी महाराजा की तरह विपश्यना के लिए जा रहे हैं, जो शांति के लिए एक रिट्रीट है। उन्होंने कहा कि यदि सत्ता ही उनकी परीक्षा थी, तो वे बुरी तरह विफल रहे हैं। आप का सच सामने आ गया है, धोखा, पाखंड और अहंकार चरम पर है। भाजपा दिल्ली ने एक्स पर लिखा कि क्या से क्या हो गए देखते–देखते। दिल्लीवासियों ने भ्रष्ट केजरीवाल को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

केदारनाथ और हेमकुंड साहिब रोप–वे प्रोजेक्ट्स को मोदी सरकार की मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 6,800 करोड़ रुपये से अधिक की संयुक्त लागत के साथ केदारनाथ और हेमकुंड साहिब की दो रोपवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। कैबिनेट के फैसलों के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए वैष्णव ने कहा कि 12.9 किलोमीटर लंबी केदारनाथ रोपवे परियोजना की लागत 4,081 करोड़ रुपये से अधिक होगी, जबकि 12.4 किलोमीटर लंबी हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना की लागत 2,730 करोड़ रुपये होगी। दोनों परियोजनाएं पर्वतमाला परियोजना का हिस्सा होंगी। केदारनाथ रोपवे परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम– पर्वतमाला परियोजना के तहत उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ तक 12.9 किलोमीटर लंबी रोपवे परियोजना के विकास को मंजूरी दे दी है। परियोजना की कुल लागत 4,081.28 करोड़ रुपये होगी। परियोजनाओं से यात्रा काफी कम होकर 36 मिनट रह जाएगी। अभी केदारनाथ पहुंचने में 8 से 9 घंटे का समय लगता है। परियोजना का विवरण देते हुए वैष्णव ने कहा कि प्रत्येक गंडोला की क्षमता 36 लोगों की होगी। यह प्रोजेक्ट ऑस्ट्रिया और फ्रांस के विशेषज्ञों की मदद से पूरा किया जाएगा। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि 3,583 मीटर की ऊंचाई पर स्थित 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से एक, केदारनाथ मंदिर की यात्रा गौरीकुंड से 16 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई है और वर्तमान में इसे पैदल या टट्टू, पालकी और हेलीकॉप्टर द्वारा कवर किया जाता है। प्रस्तावित रोपवे की योजना मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों को सुविधा प्रदान करने और सोनप्रयाग और केदारनाथ के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। यह मंदिर साल में अक्षय तृतीया (अप्रैल–मई) से दिवाली (अक्टूबर–नवंबर) तक लगभग 6 से 7 महीने तीर्थयात्रियों के लिए खुला रहता है।

संपादकीय

बदहाली की शिक्षा

हरियाणा के सरकारी स्कूल जिस बदहाली से गुजर रहे हैं उसका निष्कर्ष यही है कि ये स्कूल बीमार भविष्य के कारखाने साबित हो सकते हैं। हरियाणा के प्राथमिक शिक्षा विभाग द्वारा हाल में किए गए युक्तिकरण के प्रयासों से राज्य में सार्वजनिक शिक्षा की निराशाजनक स्थिति ही उजागर हुई है। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि राज्य में 487 सरकारी प्राथमिक विद्यालय बिना किसी शिक्षक के संचालित किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर विडंबना यह है कि करीब 294 स्कूलों में कोई छात्र नामांकित नहीं है। निश्चय ही छात्रों के मोहभंग के कारणों को समझना कठिन नहीं है। निश्चित रूप से यदि प्राथमिक शिक्षा की यह तस्वीर है तो माध्यमिक और उच्च शिक्षा की स्थिति और भी खराब हो सकती है। विडंबना यह भी है कि शिक्षा व्यवस्था को युक्तिसंगत बनाने की कवायद में शिक्षकों की बड़ी कमी के बावजूद पांच हजार से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त हो गए हैं। हालांकि, छात्र–शिक्षक अनुपात 28:1 प्रबंधनीय लग सकता है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कहीं ज्यादा खराब है। लगभग 16,500 से अधिक टीजीटी और 11,341 पीजीटी शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। इतना ही नहीं राज्य के विश्वविद्यालय और कालेज भी शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। यहां तक कि सरकारी कॉलेजों में भी व्याख्याताओं के लगभग आधी पद खाली हैं। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि राज्य में योग्य बेरोजगारों की बड़ी संख्या के बावजूद ये पद खाली पड़े हैं। जो व्यवस्थागत खामियों की ओर ही इशारा करते हैं। विसंगति यह भी है कि बजटीय उपेक्षा ने समस्या को और बढ़ा दिया है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पिछले साल एक संबंधित मामले में एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आवंटित बजट का समय रहते उपयोग न कर पाने के कारण शिक्षा निधि में 10,675 करोड़ रुपये वापस लौटने का उल्लेख किया था। जो शिक्षा विभाग की उदासीनता की ही तस्वीर ही उकेरता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि एक ओर वित्तीय संसाधनों की कमी की बात कही जाती है और दूसरी ओर शिक्षा निधि में उपयोग न किए गए धन को लौटाने की बात सामने आ रही है। जाहिरा तौर पर यदि आवंटित धन का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं किया जा रहा है तो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का दावा निरर्थक ही साबित होगा। कमोवेश शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाये जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों के छात्रों का अंकगणितीय ज्ञान और साक्षरता का कौशल पंजाब व पड़ोसी राज्य हिमाचल से कमतर ही है। हाल में जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट यानी एएसईआर 2024 एक गंभीर स्थिति को ही उजागर करती है। वार्षिक स्थिति रिपोर्ट में उजागर हुआ है कि ग्रामीण स्कूलों में कक्षा आठवीं तक के केवल 43.1 प्रतिशत छात्र ही गणित में भाग की गणनाएं कर सकते हैं। जो कि वर्ष 2022 में 49.5 प्रतिशत से कम ही है। जबकि दूसरी ओर पंजाब के स्कूलों के छात्र 58 फीसदी के साथ सबसे आगे हैं। उसके बाद हिमाचल प्रदेश 44 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर पढ़ने का कौशल भी उतना ही चिंताजनक है। ऐसे में शिक्षा क्षेत्र गिरावट का ट्रेंड ही नजर आएगा। जाहिर है इससे छात्रों का ही नुकसान होगा। दरअसल, शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को संबोधित करने की जरूरत है।

संसदीय सीटों के परिसीमन के यक्ष प्रश्न

प्रमोद

केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद से देश के राजनेताओं और विश्लेषकों के एक तबके ने दो–तीन बातों पर जोर देना शुरू कर दिया है। वे कहते हैं कि भारत में संविधान खतरे में है, लोकतंत्र विफल हो रहा है और यह भी कि लोकतंत्र का मतलब चुनाव जीतना भर नहीं होता। लोकतंत्र ही नहीं, संघवाद को भी खतरे में बताया जा रहा है। बीजेपी के हिंदू–राष्ट्रवाद की अतिशय केंद्रीय–सत्ता को लेकर भी उनकी आपत्तियां हैं। इधर तमिलनाडु से हिंदी–साम्राज्यवाद को लेकर बहस फिर से शुरू हुई है, जिसमें संसदीय–सीटों के परिसीमन को लेकर आपत्तियां भी शामिल हैं। दक्षिण के नेताओं का तर्क है कि यदि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होगा, तब दक्षिण के राज्य नुकसान में रहेंगे, जबकि जनसंख्या–नियंत्रण में उनका योगदान उत्तर के राज्यों से बेहतर रहा है। उनका सुझाव है कि संसदीय परिसीमन में संघवाद के मूल्यों का अनुपालन होना चाहिए। परिसीमन से जुड़े इन्हीं सवालों को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 5 मार्च को चेन्नई में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा– तमिलनाडु अपने अधिकारों के लिए बड़ी लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर है। परिसीमन का खतरा दक्षिणी राज्यों पर डैमोक्लीज की तलवार की तरह मंडरा रहा है। मानव विकास सूचकांक में अग्रणी तमिलनाडु के सामने गंभीर खतरा खड़ा है। उनका यह भी कहना है कि अभी तमिलनाडु में 39 लोकसभा सीटें हैं। परिसीमन की प्रक्रिया से इनकी संख्या घटकर 31 रह जाने की संभावना है। बात सिर्फ संख्या में कमी की नहीं है, यह हमारे अधिकारों का मामला है। स्टालिन के इस बयान के फौरन बाद गृहमंत्री अमित शाह ने कहा परिसीमन के बाद दक्षिणी राज्यों को 'एक भी सीट' नहीं गंवानी पड़ेगी। उन्होंने तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों की लंबे समय से चली आ रही इस आशंका को दूर करने का प्रयास किया कि यदि नवीनतम जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर परिसीमन किया गया तो संसद में उनका प्रतिनिधित्व खत्म हो जाएगा। हालांकि इन प्रश्नों पर विचार करने के लिए परिसीमन आयोग का गठन करना होगा, पर आज जो बातें हो रही हैं, वे कयासों और अटकलों पर आधारित हैं। संविधान के अनुच्छेद 82 और 170 में प्रावधान है कि प्रत्येक जनगणना के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों की संख्या और प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में इसके विभाजन को फिर से समायोजित किया जाएगा। यह 'परिसीमन प्रक्रिया' संसद के एक अधिनियम के तहत गठित 'परिसीमन आयोग' द्वारा की जाती है। इस तरह की कवायद 1951, 1961 और 1971 की जनगणना के बाद की गई थी। इसमें इन सदनों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों का निर्धारण भी शामिल है। वर्ष 1951, 1961 और 1971 की जनगणना के आधार पर लोकसभा में सीटों की संख्या 494, 522 और 543 तय की गई थी, जब जनसंख्या क्रमशः 36.1, 43.9 और 54.8 करोड़ थी। इसका मोटे तौर पर मतलब है कि प्रत्येक सीट पर औसतन क्रमशः 7.3, 8.4 और 10.1 लाख आबादी थी। जनसंख्या–नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए 1971 की जनगणना के बाद से इसे स्थिर रखा गया है ताकि अधिक जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों में सीटों की संख्या अधिक न हो। यह कार्य 1976 में हुए 42वें संशोधन अधिनियम के माध्यम से पहले वर्ष 2000 तक के लिए किया गया था। फिर 84वें संशोधन अधिनियम द्वारा 2026 तक बढ़ा दिया गया था। अभी जिस जनसंख्या के आधार पर सीटों की संख्या तय है, वह 1971 की जनगणना के अनुसार है। 2026 के बाद पहली जनगणना के आधार पर इस संख्या को फिर से समायोजित किया जाएगा। अभी लगता नहीं कि 2026 के पहले वह जनगणना हो भी पाएगी या नहीं, जिसे 2021 में होना था। यह देखते हुए कि विधायिका में महिलाओं का आरक्षण भी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा हुआ है, इसमें देरी दिक्कत पैदा करेगी। राज्यों में भी जनसंख्या वृद्धि में समतुल्यता के लिए सीटों की संख्या को 1971 की जनगणना के अनुरूप फ्रीज कर दिया गया है। 84वें संविधान संशोधन ने प्रावधान किया था कि परिसीमन की कवायद साल 2026 के बाद पहली जनगणना पर आधारित होगी। बहरहाल, पहले इस बात पर विचार करना होगा कि परिसीमन की नई प्रक्रिया में केवल राज्य की जनसंख्या का आनुपातिक प्रतिनिधित्व होगा या नहीं। आनुपातिक संख्या पर नजर डालें, तो तमिलनाडु की यह चिंता जायज है। थोड़ी देर के लिए तमिलनाडु और अविभाजित बिहार की जनसंख्या की वृद्धि दरों (1971–2024) में अंतर देखा जा सकता है। मतदाताओं की संख्या के जो नवीनतम अनुमानित आंकड़े उपलब्ध हैं, उनके अनुसार अविभाजित बिहार में 233 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि तमिलनाडु में 171 फीसदी। 1971 की जनगणना के आधार पर 1977 की लोकसभा में भारत के प्रत्येक सांसद ने औसतन 10.11 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व किया। इसी औसत को आज की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर रखेंगे, तो लोकसभा सदस्यों की संख्या करीब 1,400 हो जाएगी। ऐसी स्थिति में यूपी (उत्तराखंड सहित) की सीटें करीब तिगुनी हो जाएंगी, अर्थात 250 तक और बिहार (झारखंड सहित) में 169 हो जाएगी। तमिलनाडु की वर्तमान 39 से बढ़कर 76 और केरल में 20 से बढ़कर 36 होंगी। पर यह औसत अब काम नहीं करेगा। नए संसद भवन में लोकसभा की 888 सीटें हैं, इसलिए यह फॉर्मूला भी बदलेगा। यह औसत 15 लाख होगा या 20 लाख या कुछ और। दक्षिणी राजनीति का तर्क है कि परिसीमन से राष्ट्रीय मंच पर उनकी आवाज और उपस्थिति कम होगी। उन्हें आर्थिक और सामाजिक–विकास का पुरस्कार मिलने के बजाय सजा मिलेगी। यह तर्क गलत नहीं है, पर देश के विकास में क्षेत्रीय असंतुलन के ऐतिहासिक कारणों को भी समझना होगा और भविष्य की संभावनाओं को भी देखना होगा।

ग्लेशियरों पर संकट के बीच हमारी जिम्मेदारी

वीरेन्द्र

हाल ही में उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा ग्राम के पास हुई हिमस्खलन की घटना में बीआरओ के मजदूर दब गए थे, जिनमें से कुछ को बचा लिया गया, लेकिन कई की जानें नहीं बच सकीं। दरअसल, हिमस्खलन की घटनाएं पूरी दुनिया में बढ़ रही हैं, जिससे अचानक बाढ़ें आ रही हैं और सड़कों पर वाहन सवार सैलानियों की मौतें हो रही हैं। फरवरी, 2021 में उत्तराखंड की नीती घाटी में हिमस्खलन के कारण ऋषिगंगा और धौलीगंगा नदियों में बाढ़ आई, जिससे व्यापक तबाही हुई। इस घटना के चलते वैश्विक स्तर पर हिमस्खलनों और ग्लेशियरों के संकट को लेकर चर्चा शुरू हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि ग्लेशियरों के पिघलने की प्रक्रिया में मानवीय गतिविधियों का भी योगदान है, जिससे इन घटनाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। ग्लेशियरों का पिघलना प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन मानवीय हस्तक्षेप जैसे जलविद्युत परियोजनाओं, निर्माण कार्यों और पर्यावरणीय असंतुलन ने इसे और बढ़ा दिया। इसलिये, हमें इन संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ से हिमालयी ग्लेशियरों का पिघलना दुगनी दर से बढ़ गया है। वे हर साल आधे मीटर की मोटाई खो रहे हैं और कुछ क्षेत्रों में पीछे भी खिसक रहे हैं। गढ़वाल हिमालय में पिछले चार दशकों में औसतन 18 मीटर प्रति वर्ष ग्लेशियर पीछे खिसक रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने की दर तापमान, बारिश, नमी, हवाओं की गति और सूर्य की किरणों के परावर्तन पर निर्भर करती है। पिघलते ग्लेशियरों से उत्पन्न जल से गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी सदानीरा नदियों का अस्तित्व है, जो वर्षा के बिना भी बहती रहती हैं। यदि ग्लेशियरों का पिघलना जारी रहता है, तो इससे समुद्र स्तर 230 फुट तक बढ़ सकता है, जो वैश्विक जल संकट का कारण बन सकता है। नदियों में पानी की महत्ता को ध्यान में रखते हुए, गंगा और यमुना के स्रोतों, गंगोत्री और यमुनोत्री के ग्लेशियरों को नैनीताल उच्च न्यायालय ने 20 मार्च, 2017 को एक आदेश में न्यायिक जीवित मानव का दर्जा दिया। हालांकि ग्लेशियर स्वयं मौसमी बदलाव और बढ़ते तापमान से काल–कवलित हो रहे हैं, लेकिन इनकी सतह जब सूर्य की किरणों को परावर्तित करती है, तो वे वातावरण संतुलन में भी मदद करती हैं। छोटे ग्लेशियर्स औसतन 70 से 100 मीटर तक मोटे होते हैं, जबकि बड़े ग्लेशियर्स 1.5 किमी तक मोटे हो सकते हैं। गतिक ग्लेशियर्स अपनी यात्रा के दौरान शिलाओं को तोड़ते हुए उन्हें उनके मूल स्थानों से दूर ले जाते हैं, जिससे हिमस्खलन के दौरान हिमखंडों के साथ बड़ी–बड़ी शिलाओं की भी बौछार होती है। जब ये हिमखंड और शिलाएं नदियों–नालों में गिरती हैं, तो कभी–कभी बहते पानी की राह रोक अस्थायी बांध बना देती हैं। इन बांधों के टूटने से अचानक बाढ़ों और तबाही का खतरा उत्पन्न हो सकता है। हिमस्खलनों के अतिरिक्त, बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियरों में उत्पन्न होती और फैलती ग्लेशियल झीलें सर्वाधिक चिंता का कारण बन रही हैं। जिनके टूटने पर भारी मात्रा में पानी बहकर ये अचानक बाढ़ों का कारण बनती है, जिसे ग्लेशियल आउटबर्स्ट फ्लड कहा जाता है। ग्लेशियर्स प्रायः पहाड़ी निर्जन क्षेत्रों में होते हैं। अगर हम आर्थिक लाभ या मनोरंजन के लिए उनके नजदीक न जायें, तो शायद उनके टूटने या ग्लेशियर झीलों के अनायास टूटने का प्रभाव बस्तियों और संरचनाओं पर उतना भयंकर न होता। हालांकि, आज नंदादेवी बायोस्फीयर जैसे संरक्षित क्षेत्रों में भी विभिन्न प्रोजेक्ट, जैसे जल विद्युत परियोजनाएं, स्कीइंग रिसॉर्ट्स और वेडिंग डेस्टिनेशन जैसी गतिविधियों को लेकर प्रवेश किया जा रहा है, जिससे स्थिति और भी जटिल हो गई है।

..........स्वास्थ्य..........

इन 6 लोगों को नहीं खाना चाहिए मखाना, सेहत को फायदे नहीं मिलेंगे सिर्फ नुकसान

मखाना, जिसे हम अक्सर चाय के साथ या हलके स्नैक्स के तौर पर खाते हैं, सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें ढेर सारे पोषक तत्व होते हैं, जैसे प्रोटीन, फाइबर, और एंटीऑक्सिडेंट्स, जो हमारे शरीर को मजबूती देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मखाना सभी के लिए सही नहीं होता? कुछ लोगों के लिए यह हानिकारक भी हो सकता है। अगर आप इनमें से किसी से जुड़ी समस्याओं से परेशान हैं, तो मखाना खाने से पहले एक बार सोच लीजिए। आइए जानते हैं किन 5 लोगों को मखाना खाने से परहेज करना चाहिए।

डायबिटीज के रोगी

मखाना में उच्च मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जो ब्लड शुगर को बढ़ा सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को डायबिटीज है, तो उसे मखाना का सेवन सीमित मात्रा में और डॉक्टर की सलाह से करना चाहिए। इसके अलावा, मखाना का सेवन ज्यादा करने से शरीर में ग्लूकोज का स्तर असंतुलित हो सकता है, जिससे डायबिटीज की स्थिति खराब हो सकती है।

गैस्ट्राइटिस और पाचन समस्याओं वाले लोग

मखाना के सेवन से कुछ लोगों को पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसमें फाइबर की अधिक मात्रा होती है, जो कभी–कभी पेट में गैस, सूजन, और कब्ज जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है। यदि किसी व्यक्ति को गैस्ट्राइटिस, पेट की जलन, या अन्य पाचन समस्याएं हैं, तो उसे मखाना खाने से बचना चाहिए या फिर इसे सीमित मात्रा में खानी चाहिए।

किडनी रोगी

मखाना में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो किडनी के रोगियों के लिए हानिकारक हो सकता है। किडनी की बीमारी होने पर, शरीर से पोटेशियम की सही मात्रा बाहर नहीं निकल पाती, जिससे पोटेशियम का स्तर बढ़ सकता है और यह हृदय की समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, किडनी रोगी को मखाना खाने से बचना चाहिए या फिर इसे बहुत कम मात्रा में लेना चाहिए।

एलर्जी से प्रभावित लोग

कुछ लोगों को मखाना से एलर्जी हो सकती है, जिससे उन्हें त्वचा पर दाने, खुजली, या अन्य एलर्जी के लक्षण हो सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को मखाना खाने के बाद कोई एलर्जी के लक्षण दिखते हैं, तो उसे मखाना से बचना चाहिए। ऐसे लोग मखाना के सेवन से पहले डॉक्टर से परामर्श लें।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर (ष्हाई ठसववक चत्मेमनतम) की दिक्कत से दो चार हो रहे लोगों को मखाना ना खाने के लिए कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि मखाना में सोडियम होता है और इससे हाई ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। इसीलिए हाई ब्लड प्रेशर से परेशान लोगों को मखाना ना खाने या कम खाने की कोशिश करनी चाहिए।

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं को मखाना का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। मखाना में कुछ प्रकार के तत्व होते हैं जो शरीर में गर्मी पैदा कर सकते हैं, और ज्यादा सेवन से यह गर्भावस्था में असहज महसूस करवा सकता है। गर्भवती महिलाएं पहले डॉक्टर से सलाह लें कि मखाना उनका सेवन कर सकती हैं या नहीं, और यदि कर सकती हैं, तो कितनी मात्रा में करें।

मखाना खाने के फायदेरू

हालांकि, मखाना का सेवन बहुत से लोगों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें उच्च मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सिडेंट्स, और मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह हृदय स्वास्थ्य, पाचन, वजन घटाने, और त्वचा की सेहत के लिए भी लाभकारी है।

डिस्क्लेमरः यहां दी गई जानकारी सामान्य जानकारियों पर आधारित है।

शाकाहारी हैं तो जान लीजिए विटामिन बी12 के लिए ये 7 बेहतरीन

विटामिन बी 12 शरीर के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। यह शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है, दिमाग को तेज रखता है और रक्त कोशिकाओं का निर्माण करने में मदद करता है। विटामिन बी12 की कमी से थकान, कमजोरी, याददाश्त की समस्या और एनीमिया हो सकता है।

आमतौर पर, यह विटामिन मांस और अंडों में पाया जाता है, जिससे शाकाहारी लोगों के लिए इसे प्राप्त करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, कुछ शाकाहारी खाद्य पदार्थ भी ठ12 का अच्छा स्रोत हो सकते हैं।

चीज

स्विस, मोजेरेला और चेडर जैसी चीज में विटामिन बी12 अच्छी मात्रा में होता है। 100 ग्राम चीज में 0.9–3.3 उबह बी12 पाया जाता है, जो शरीर के लिए महत्वपूर्ण है। यह एक बेहतरीन कैल्शियम और प्रोटीन का स्रोत भी है। चिज को सैंडविच, पराठे या डोसा में डालकर खा सकते हैं। हालांकि, प्रोसेस्ड चीज से बचना चाहिए, क्योंकि इसमें अधिक नमक और फैट हो सकता है जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। चीज खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और शरीर में ऊर्जा का स्तर भी बढ़ता है।

ब्लूबेरी

ब्लूबेरी में विटामिन बी12 तो नहीं होता, लेकिन यह बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। यह दिमागी कार्य को तेज करने में मदद करती है, जिससे याददाश्त और मानसिक फोकस बेहतर होता है। इसके अलावा, ब्लूबेरी पेट के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाकर पाचन में सुधार करती है। इस फल में एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं जो शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। इसे दही या स्मूदी में मिलाकर नाश्ते में खाना फायदेमंद होता है, जिससे दिन की शुरुआत हेल्दी तरीके से हो सकती है।

केला

केला सीधे तौर पर विटामिन बी12 नहीं देता, लेकिन यह पाचन को सुधारकर बी12 के अवशोषण में मदद करता है। इसमें होती है जो तुरंत ऊर्जा प्रदान करती है। इसके अलावा, इसमें मौजूद विटामिन बी6, ठ12 में सहायक होता है, जिससे शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। केला खाने से पेट में गैस और कब्ज जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है। इसे सुबह या एक्सरसाइज से पहले खा सकते हैं, और बेहतर असर के लिए इसे बादाम जैसे मेवों के साथ लें।

सेब

सेब में भी विटामिन ठ12 नहीं होता, लेकिन यह पेट के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाता है, जिससे शरीर में बी12 का अवशोषण बेहतर तरीके से होता है। सेब में पेक्टिन नामक एक प्रकार का फाइबर होता है जो शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद करता है। सेब को छिलके सहित खाना ज्यादा फायदेमंद होता है क्योंकि अधिकतर पोषक तत्व और फाइबर छिलके में होते हैं। इसे दही के साथ खाने से पाचन क्रिया और बेहतर होती है, और पेट में सूजन या कब्ज की समस्या से भी राहत मिल सकती है।

मशरूम

मशरूम, खासकर शिटाके और बटन मशरूम, प्राकृतिक रूप से विटामिन बी12 का अच्छा स्रोत होते हैं। 100 ग्राम मशरूम में 1–2.5 उबह बी12 पाया जाता है, जो कि शाकाहारी लोगों के लिए एक बेहतरीन है। मशरूम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर शरीर को डिटॉक्सिफाई करने में मदद करते हैं। सूखे मशरूम में ताजे मशरूम से ज्यादा ठ12 होता है, इसलिए इन्हें भिगोकर या शोरबा में पकाकर खाना अधिक लाभकारी हो सकता है। मशरूम को आप स्टिर–फ्राई, सूप या सब्जी में डाल सकते हैं, जो स्वादिष्ट होने के साथ–साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

दही

दही न केवल पेट के लिए फायदेमंद है, बल्कि इसमें विटामिन बी12 भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। 100 ग्राम दही में 0.4–0.7 उबह बी12 होता है, जो शरीर के लिए आवश्यक है। दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो पेट के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे पाचन क्रिया सुधरती है। यह शरीर में कैल्शियम की कमी को भी पूरा करता है। घर का बना दही या प्रोबायोटिक दही खाने से बी12 का अवशोषण बेहतर होता है। इसे दोपहर के खाने के साथ खाएं और मीठे दही से बचें, क्योंकि ज्यादा चीनी पोषक तत्वों के अवशोषण को कम कर सकती है।

पनीर

पनीर विटामिन बी12 का एक बेहतरीन शाकाहारी स्रोत है। 100 ग्राम पनीर में 0.5–1.2 उबह बी12 पाया जाता है। यह प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर होता है, जो हड्डियों और मांसपेशियों के लिए फायदेमंद है। पनीर को सब्जी, भुर्जी या पराठों में डालकर खा सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि पनीर को अधिक देर तक तेज आँच पर न पकाएं, क्योंकि इससे इसमें मौजूद बी12 की मात्रा कम हो सकती है। पनीर खाने से शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है और पाचन भी बेहतर होता है।

घरेलू हिंसा से संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए–डा0 अर्चना मजूमदार

जौनपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य डा0 अर्चना मजूमदार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महिला अपराध से संबंधित मामलों की जनसुनवाई गुरुवार को आयोजित की गई। सदस्य के समक्ष जनसुनवाई के दौरान महिलाओं और बालिकाओं ने महिला अपराध से जुडी शिकायतों तथा अपनी समस्याओं को रखा, जिन्हें गंभीरता से सुनते हुए उन्होंने त्वरित समाधान के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। उन्होंने पूर्व में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों का पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि न्याय दिलाने में देरी का अर्थ है व्यक्ति को न्याय से वंचित रखना। इस लिए महिला अपराधों, घरेलू हिंसा आदि से सम्बन्धित ममलों में शीघ्र कार्यवाही कर न्याय दिलाना सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य का जनपद में स्वागत करते हुए कहा कि सदस्य महिला आयोग के आगमन से निश्चित रूप से महिलाओं से सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण में गति मिलेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों की तरफ से आश्वस्त कराया है कि दिये गये निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन किया जायेगा। सदस्य ने अपर पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया कि घरेलू हिंसा से संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी विजय कुमार, विधिक अधिकारी मनमोहन शर्मा, दीपाली श्रीवास्तव, पुलिस प्रशासन के अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

हेल्थ वेलनेस सेंटर पर संबंधित डॉक्टर की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए - जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जिला आयुष समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में देर सायं संपन्न हुई। जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि पीएचसी तथा हेल्थ वेलनेस सेंटर पर संबंधित डॉक्टर की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि तहसील दिवस पर आयुर्वेद, होम्योपैथ, यूनानी चिकित्सा से संबंधित कैंप भी लगाया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि कस्तूरबा गांधी विद्यालय के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण आयुर्वेदिक, यूनानी तथा होम्योपैथिक डॉक्टर द्वारा नियमित अंतराल पर कराई जाए। सिकरारा में निर्माणाधीन एकीकृत आयुष चिकित्सालय के निर्माण प्रगति की समीक्षा भी की। समिति द्वारा बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जर्जर आयुर्वेद एवं होम्योपैथ चिकित्सालय को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थानांतरित कर दिया जाए। जनपद में प्राप्त भूमि को चिकित्सालय के नाम हस्तांतरित किया जाए। जिलाधिकारी द्वारा विद्युत संबंधी समस्या के निराकरण हेतु एक्सईएन विद्युत को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा सभी हेल्थ वेलनेस सेंटरों पर आशा एनएम को सप्ताह में 02 दिवस कार्य हेतु संबद्ध किए जाने हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया गया। जिला आयुष समिति द्वारा चिकित्सालय्यों के क्रियान्वयन हेतु उचित निर्णय भी लिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ0 कमल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह, डॉ मनीशॉ अवस्थी जिला होम्योपैथिक अधिकारी , बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक आयुष धर्मेंद्र कुमार सिंह एवं आयुर्वेद होम्योपैथिक व यूनानी के चिकित्सा अधिकारी एवं कार्यालय सहायक दीपक श्रीवास्तव सहित अन्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

'होली व रमजान त्यौहार को लेकर थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' बुधवार को थाना परिसर में होली व रमजान त्यौहार को लेकर पीस कमेटी की बैठक थाना प्रभारी सोमपाल गंगवार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में थाना प्रभारी ने आने वाले दिनों में पड़ने वाले त्यौहार को शान्ति पूर्वक मनाने की बात कही। इस दौरान उन्होंने जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने होली पर हुड़दंग करने व डीजे बजाने आदि पर जोर दिया और कहा कि जो व्यक्ति होली पर शराब

पीकर हुड़दंग करते हुए तथा डीजे बजाते हुए मिला उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी। बैठक में थाना प्रभारी ने होली और जुमे की नमाज सहित जाम की स्थिति से निपटने के लिए भी अपने अधीनस्थों को दिशा निर्देश दिए साथ ही नगर व क्षेत्र से आये हुए संभ्रांत नागरिकों से होली व रमजान के त्यौहार को भाईचारे के साथ मिलजुलकर शांति पूर्वक मनाने की अपील की। होली के दिन रंग चलने व शुक्रवार को नमाज अदा करने को लेकर दोनों समुदाय आपस में भाईचारे से तालमेल बनाकर त्यौहार मनाएं जिससे आपसी सौहार्द और भाईचारा बना रहे। इस अवसर पर उपनिरीक्षक जे0एन0 मिश्रा, सहित क्षेत्र व नगर के संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

नियमित आहार, पर्याप्त नींद से काबू होता है मोटापा

लखनऊ, (संवाददाता)। नियमित आहार व पर्याप्त नींद से मोटापा काबू होता है। हर व्यक्ति को अपने भोजन पर ध्यान देना चाहिए। खानपान सही रहेगा तो वजन नहीं बढ़ेगा और पेट की बीमारियां नहीं होंगी। राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल में मंगलवार को विश्व मोटापा दिवस पर आयोजित गोष्ठी में डॉ. रिचा गर्ग व अन्य विशेषज्ञों ने मोटापे से बचाव के तरीके बताए। डॉ. रिचा ने कहा, अच्छी नींद से व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। चिड़चिड़ापन नहीं होता। प्राचार्य डॉ. माखनलाल ने कहा, मोटापे को नियंत्रित करने के लिए मोटे अनाज का सही तरीके से इस्तेमाल करना चाहिए। मोटापा कम होने से बीपी, शुगर, डायबिटीज, दिल की बीमारी, गठिया और जोड़ों की समस्या भी दूर होगी। गठिया विभाग के प्रभारी डॉ. गुरमीत राम ने बताया कि मोटापे से जोड़ और हड्डियां प्रभावित होती हैं। चिकित्सालय प्रभारी डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि हर व्यक्ति को मोटापा नियंत्रित करने और बीमारियों से बचने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए।

सीए इंटर के दोनों समूह में 31 विद्यार्थियों को मिली सफलता

लखनऊ, (संवाददाता)। आईसीएआई की ओर से मंगलवार को सीए इंटर एवं सीए फाउंडेशन का परिणाम जारी किया गया। राजधानी से इस बार 305 विद्यार्थियों ने सीए इंटर के दोनों ग्रुप की परीक्षा दी। परिणाम में 31 छात्रों ने दोनों ग्रुप और 16 छात्र प्रथम ग्रुप में पास हुए। इसी तरह चार विद्यार्थी द्वितीय ग्रुप में पास हुए। लखनऊ शाखा के सीए अनुराग पांडेय ने बताया कि राजधानी से सीए इंटर में मोहम्मद अयान ने 424 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है। सिद्धांत तिवारी ने 396 अंक प्राप्त कर द्वितीय, जबकि अन्वेष सिंह ने 395 अंक लाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वंशिका अग्रवाल ने 384 अंक, श्लोक खत्री ने 366 अंक प्राप्त किए। सीए फाउंडेशन में इस बार 1414 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिसमें से 230 छात्रों ने सफलता हासिल की है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा चलाया जा रहा विशेष चेकिंग अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 06 मार्च,सहायक आयुक्त (खाद्य)–द्वितीय, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, देवाशीष उपाध्याय ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन के क्रम में आगामी होली एवं रमजान पर्व को दृष्टिगत रखते हुए मिलावटी खाद्य पदार्थों के भण्डारण विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के उद्देश्य से विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जनपद जौनपुर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा किये जा रहे। प्रवर्तन कार्यवाही के क्रम में 06 मार्च 2025 को सहायक आयुक्त (खाद्य)–द्वितीय के नेतृत्व में खाद्य सचल दल में सम्मिलित खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण बिपिन कुमार गिरि, विनोद कुमार यादव, मनोज कुमार वर्मा एवं श्रीमती अपराजिता तिवारी द्वारा जनपद के विभिन्न बाजारों में कार्यवाही की गयी जिसमें कुल निरीक्षण 24, कुल छापे 09, कुल संग्रहीत नमूनों 10, जारी सुधार नोटिस की संख्या 07 है। जिसमें सिरकोनी बाजार में पेड़ा, खोया, जगदीशपुर में तेल, दूध, जलालपुर बर्फी, पेड़ा, खोया, कल्यानपुर कबूलपुर बाजार इमली जेली, कचरी, जफराबाद बाजार नमकीन संग्रहीत खाद्य का नमूना संग्रहण किया गया।

निर्माण कार्यो मे पदीय दायित्वों के विपरीत कार्य करने पर शिक्षक निलंबित

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिहं ने बताया है कि बीते 04 मार्च को विकास खण्ड कोथावां के प्रा.वि. इकरी, प्रा.वि. कटिया शाहपुर, प्रा. वि. भभुआ, प्रा.वि. पाठकपुर एवं प्रा. वि. अटसलिया भुड में वर्ष 2024–25 में निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। जिसके क्रम में प्रभाशंकर इ. प्र.अ. उच्च प्रा.वि. हरैया को निर्माण कार्यों में अनाधिकृत रुप से हस्तक्षेप करने एवं अपने पदीय दायित्यों के विपरीत कार्य करने के कारण निलम्बित किया गया तथा सबन्धित खण्ड शिक्षा अधिकारी को शिथिल पर्वेक्षण एवं विभागीय कार्यों के प्रति उदासीनता के कारण कारण बताओ नोटिस निर्गत किया गया है तथा मनोज कुमार श्रीवास्तव तत्कालीन अवर अभियन्ता एसएसए को उक्त निर्माण कायों के सम्बन्ध में इस कार्यालय में गुणवत्ता एवं कार्य की प्रगति के सम्बन्ध में कोई आख्या प्रेषित न करने के कारण, कारण बताओं नोटिस निर्गत की गई साथ

ही प्र.अ. इकरी, को निर्माण कार्य की साइट पंजिका मौके पर न मिलने व निर्माण कार्य में पूवर वर्क मैन शिप परिलक्षिण होने के कारण, प्रा०वि० अटसलिया भूड स्वीकृत बालक बालिका शैचालय अपूर्ण पाये जाने एवं वर्ष 2021–22 में निर्मित विद्यालय भवन शीलन ओने के कारण, प्रा.वि. पाठक पुर में निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्षा–कक्ष की साइट पंजिका मौके पर न मिलने एवं प्रथम् दृष्टया गुणवत्ता मानकनुसार न पाये जाने के कारण, प्रा.वि. भवानीपुर में में निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्षा–कक्ष की साइट पंजिका मौके पर न मिलने एवं प्रथम् दृष्टया गुणवत्ता मानकनुसार न पाये जाने के कारण तथा प्रा०वि० अटिया शाहपुर में निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्षा–कक्ष की साइट पंजिका मौके पर न मिलने एवं प्रथम् दृष्टया गुणवत्ता मानकानुसार न पाये जाने के कारण सम्बनित प्र.अ.ध्इ. प्र.अ. को एक सप्ताह के अन्दर स्पष्टीरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है, स्पष्टीकरण प्राप्त होने के उपरान्त निमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

सीओ सिटी ने कोतवाली नगर का अर्धवार्षिक निरीक्षण व सीओ लाइन ने किया पुलिस लाइन का निरीक्षण

अयोध्या। बुधवार को सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने कोतवाली नगर का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया।वही सीओ लाइन सुरेंद्र सिंह ने पुलिस लाइन का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान इन दोनों अधिकारियो को कुछ जगह खामिया मिली जिसे दूर करने का निर्देश संबंधित कर्मियों को दिया।सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने कोतवाली नगर के कई शाखों का निरीक्षण किया।अर्द्धवार्षिक किया।उन्होंने थाने के अभिलेखों, कार्यालय,भोजनालय, बैरिक, महिला हेल्प डेस्क, कारागार, शस्त्रागार आदि का निरीक्षण कर अभिलेखों के रख–रखाव व साफ–सफाई का निरीक्षण किया।खामिया मिलने पर मौजूद कर्मियों को दिशा निर्देश दिये। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पांडे,

वरिष्ठ पुलिस उप निरीक्षक प्रदीप कुमार सहित कोतवाली नगर के पुलिसकर्मी मौजूद रहे।वही सीओ लाइन सुरेन्द्र सिंह ने रिजर्व पुलिस लाइन परिसर का भ्रमणकर साफ–सफाई, भोजनालय, प्रधान लिपिक शाखा, आंकिक शाखा, कैंटीन, पुलिस अस्पताल, बारबर शाप, अश्वशाला, मेस, जिम हाल, शस्त्रागार, पुलिस लाइन स्टोर, बैरक, क्वार्टर गार्द, परिवहन शाखा, गणना व जीडी कार्यालय आदि का निरीक्षण किया गया। महोदय द्वारा पुलिस लाइन ग्राउण्ड पर परेड का निरीक्षण किया। इस मौके पर प्रतिसार निरीक्षक विजेंद्र सिंह सहित अन्य शाखाओं के प्रभारी पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

कथक में शिक्षण और प्रस्तुतीकरण दोनों अहम

लखनऊ, (संवाददाता)। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय वेबिनार हुआ। 'कथक नृत्य के शिक्षण और प्रस्तुतीकरण का विकास वैश्वीकरण के संदर्भ में' विषय पर आयोजित वेबिनार में वक्ताओं ने कहा कि कथक में शिक्षण और प्रस्तुतीकरण दोनों की ही भूमिका अहम होती है। भातखंडे विवि की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने पंडित बिरजू महाराज के कथक नृत्य के वैश्वीकरण में योगदान को रेखांकित किया। कथक की शिक्षा में शैक्षणिक संस्थाओं के महत्वपूर्ण योगदान की भी चर्चा की। पूर्णिमा पांडेय ने विष्णु दिगंबर पलुस्कर और विष्णु नारायण भातखंडे के साथ ही पंडित बिरजू महाराज के योगदान पर चर्चा की। दिल्ली से पं. राजेंद्र गंगानी ने कहा कि गोपी किशन, पंडित दुर्गलाल, कुमुदिनी लखिया, सितारा देवी, रोशन कुमारी ने कथक को पूरे विश्व में पहुंचाया।

यूसीसी बिल पर विपक्ष ने किया हंगामा, सदन में फाड़ा अध्यादेश

लखनऊ, (संवाददाता)। नेशनल पीजी कॉलेज में ओज महोत्सव के दूसरे दिन छात्रों की युवा संसद का मंचन हुआ। इसमें सरकार ने विपक्ष के भारी विरोध के बीच समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल पेश किया। इस पर विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया और सदन में बिल फाड़ दिया। इस बीच विपक्ष के सांसद सदन से वॉकआउट भी कर गए। वहीं, नेता सदन ने यूसीसी को देशहित में सभी पंथों का सम्मान करने वाला कानून बताया। इस बीच हंगामे में बहुमत के साथ बिल पास हुआ। छात्र अमन त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री, छात्रा मेनका सिंह ने नेता विपक्ष और आशुतोष यादव समेत अन्य छात्रों ने सांसदों की भूमिका निभाई। प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह, सुरेंद्र मणि त्रिपाठी, राजेश सिंह भी मौजूद रहे।

उत्तर पुस्तिकाओं की पैकिंग में लापरवाही हुई तो केंद्र व्यवस्थापक होंगे जिम्मेदार

लखनऊ, (संवाददाता)। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार ने मंगलवार को यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं की पैकिंग की व्यवस्था परखी। अलग–अलग केंद्रों पर निरीक्षण के दौरान डीआईओएस ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं का सही से रखरखाव करें। परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं की अच्छे से पैकिंग करें। कोई गड़बड़ी होती है तो इसके लिए केंद्र व्यस्थापक जिम्मेदार होगा। डीआईओएस ने मंगलवार को गोसाईगंज स्थित रामपाल त्रिवेदी इंटर कॉलेज में सादी उत्तर पुस्तिकाओं का रखरखाव देखा। इसके बाद सीपीएल इंटर कॉलेज में परीक्षा के बाद कापियों की पैकिंग का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने करीब आधा दर्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। बोर्ड परीक्षा की दोनों पालियों में 67347 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। 3680 परीक्षार्थियों ने परीक्षा नहीं दी।

रमजान और होली पर्व के दृष्टिगत विद्युत आपूर्ति, पेयजल, साफ-सफाई सुनिश्चित कर ली जाए- जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ की उपस्थिति में जिला शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि रमजान महीने और होली पर्व के दृष्टिगत जनपद में विद्युत आपूर्ति, पेयजल, साफ–सफाई सुनिश्चित कर ली जाए। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषदध्नगर पंचायत को निर्देशित किया कि अपने–अपने क्षेत्र में मस्जिदों और ईदगाह की सफाई, चूने का छिड़काव सहित अन्य व्यवस्थाएं कराना सुनिश्चित करें। होलिका दहन स्थल के आसपास सफाई करने हेतु निर्देश दिया गया। अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देश दिया कि यदि कहीं जर्जर तार हो तो उसे तत्काल बदल दिए जाए, त्योहारों के दौरान निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति बनी रहे। किसी भी प्रकार की विद्युत समस्या न आने पाए। इसके लिए कंट्रोल रूम की स्थापना करते हुए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सीसीटीवी कैमरे को चेक कर लिया जाए और यदि कोई सीसीटीवी खराब है तो उसे तत्काल ठीक करना सुनिश्चित किया जाए। शांति समिति के सदस्यों के द्वारा निर्णय लिया गया कि जनपद में होली के दिन मध्यान्ह् 12.00 बजे तक ही रंग खेला जाए। जिसके क्रम में जिलाधिकारी ने समस्त जनपद वासियों को आगामी त्योहारों की बधाई देते हुए अपील किया कि जनपद में होली के दिन मध्यान्ह् 12.00 तक ही रंग खेला जाए तथा आपसी सद्भाव और भाईचारे के साथ त्यौहार मनाया जाए। अभिहित अधिकारी खाद्य को निर्देशित किया कि आगामी त्योहारों के दृष्टिगत खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित किया जाए, जिसमें दूध, खोवा सहित अन्य दुग्ध पदार्थो आदि में मिलावट करने वालों पर कार्यवाही की जाए, इसके लिए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को निर्देशित किया कि एक समिति बनाकर मिलावट करने वालों पर कार्यवाही करे। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी सीओ और उप जिलाधिकारी तहसीलों में भी शांति समिति की बैठक करना सुनिश्चित करें। सभी को निर्देशित दिया कि त्योहार रजिस्टर को अनिवार्य रूप से पढ़ लिया जाए, त्योहारों के दौरान कोई नई परंपरा नहीं शुरू की जाए। सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों के प्रसार से बचे। सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों का प्रसार करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस अधीक्षक में कहा कि जौनपुर बुद्धिजीवियों का शहर है इसलिए आगामी त्यौहारों को गंगा जमुनी की तहजीब रखते हुए मनाया जाए। सभी एसडीएम व सीओ तहसीलों पर भी शांति समिति की बैठक करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि माहौल खराब करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह, उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी सहित शांति समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

पर्वतीय महासभा के वार्षिकोत्सव में 30 हस्तियों का सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को गोमतीनगर के विपिन खंड स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान में सभी को वसंतोत्सव की बधाई दी। उन्होंने 165 उत्तराखंडी लोक संस्कृति से जुड़ी संस्थाओं और कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान देवभूमि दर्पण पत्रिका का विमोचन और नागरिक सम्मान समारोह भी हुआ। कार्यक्रम में पूर्व महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ. देवेंद्र सिंह नेगी ने प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा बिष्ट यादव समेत कई गणमान्य सदस्यों ने 30 मातृशक्ति व वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया। समापन संबोधन में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि पर्वतीय समाज सुंदर समाज है, जो वर्षभर विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये इकट्ठा होता रहता है। इससे पहले जाह्नवी बिष्ट, गार्गी द्विवेदी, लिपिका बकुली, दिल्ली एनसीआर महासभा की सदस्य नीमा भंडारी, गोपाल गोसाई, प्रेम बिष्ट, मुकेश शर्मा, हास्य कलाकार शिबू रावत, भगवत मनराल आदि ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के दौरान पान सिंह भंडारी, दयाकृष्ण डालाकोटी, मोहन सिंह, मुनालश्री, विक्रम बिष्ट, डॉ अनुपम सिंह भंडारी, ओम प्रकाश उप्रेती, पूरन सिंह दरियाल, अमित पांडे समेत कई सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

होली का त्यौहार हर्ष एवं उल्लास, आपसी सद्भाव तथा शान्तिपूर्ण ढंग से शोभनीय वातावरण में मनाया जाये:–जिलाधिकारी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बताया है कि गतवर्षों की भाँति इस वर्ष भी होली का त्यौहार (होलिका दहन) 13 मार्च दिन गुरूवार को 14 मार्च (शुक्रवार) को रंगपर्व तथा 15 मार्च 2025 (शनिवार) को होली मिलन का त्योहार मनाया जायेगा। इस त्यौहार के अवसर पर इस बात की आवश्यकता है कि होली का त्यौहार हर्ष एवं उल्लास, आपसी सद्भाव तथा शान्तिपूर्ण ढंग से शोभनीय वातावरण में मनाया जाये। उल्लेखनीय है कि होलिका दहन के बाद प्रातः काल से ही लोग एक दूसरे के ऊपर रंग, गुलाल आदि फेंकते है। इससे कभी–कभी दूसरे सम्प्रदाय के लोगों पर रंग पड़ जाने से कटुता तथा आपसी तनाव जैसी स्थित्ति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने बताया कि होली के त्यौहार के कुछ दिनों पूर्व से ही समस्यायें उत्पन्न होने की सम्भावनायें बन जाती है, जैसे नवीन विवादित स्थलों पर होलिका दहन करने का प्रयास करना, समय पूर्व होलिका जला देना, आने जाने वाले व्यक्तियों पर इच्छा के विरूद्ध रंग अथवा कीचड़ आदि फेकना, महिलाओं अथवा लड़कियों के साथ छेड़खानी करना, होली खेलने में नुकसान पहुँचाने वाले पदार्थो का प्रयोग करना, शराब के नशे में हुड़दंग करना, होली का स्थान बदलना, शरारती तत्वों द्वारा गलत तरीके से छप्पर–झोपड़ी लकड़ी आदि को होली में डालना आदि। इन सभी समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए सभी उप जिला मजिस्ट्रेट एवं क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया जाता है कि वह अपने–अपने क्षेत्र में सघन भ्रमण करते हुए इन सभी बिन्दुओं पर कड़ी निगाह रखेंगे और यदि इस प्रकार की कोई समस्या प्रकाश में आती है तो तत्काल उसका निराकरण कराते हुए सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाये। इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, जिससे स्थिति नियंत्रण में रहें और त्योहार को सकुशल व शान्तिपूर्वक ढ़ग से हर्षोल्लाष के माहौल में सम्पन्न कराया जा सके। ऐसे स्थलों की पहचान कर ली जाये, जहाँ राहगीरों, दुकानदारों एवं वाहन चालकों आदि से जबरदस्ती चन्दा वसूलने, चलती रेलगाड़ियां, बसों आदि वाहनों पर कीचड़, रंग भरे गुब्बारे तथा पत्थर फेंकने से आपसी तनाव बिगड़ने एवं शान्ति व्यवस्था बिगडने की समस्या उत्पन्न होने की सम्भावना हो। इन सबकी सुरक्षा के लिये स्थल व सम्पत्ति पर पर्याप्त दुष्टि रखने की आवश्यकता है, साथ ही सार्वजनिक कार्यकम जैसे होली मिलन आदि के संचालन में शान्ति व्यवस्था बनाये रखना भी आवश्यक है। इस पर्व को सकुशल मनाये जाने एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट सम्बन्धित क्षेत्राधिकारीध्थानाध्यक्षों की उपस्थिती में पीस कमेटी की बैठक आहूत कर लें और उत्पन्न होने वाली समस्याओं का पूर्व से ही समाधान करा लिया जाये, यदि किसी स्थान पर पिछले वर्षों में होलिका दहन के स्थान को लेकर विवाद चल रहा हो, तो उन स्थानों, गाँवों का निरीक्षण करने के बाद सम्बन्धित व्यक्तियों को बुलाकर उनसे विचार–विमर्श करके त्यौहार के पूर्व में ही समस्याओं का हल कर लिया जाये।

123वें जन्मदिन पर याद किए गए भारत में फार्मेसी के जनक प्रो एम एल सराफ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत देश में फार्मेसी शिक्षा के जनक प्रोफेसर एम एल सराफ के 123वें जन्मदिन के अवसर पर आज लखनऊ में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल चिकित्सालय में एक गोष्ठी प्रभारी अधिकारी फार्मेसी शिव जी कुशवाहा की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसका संचालन चीफ फार्मेसिस्ट आनंद मिश्रा और आयोजन फार्मेसिस्ट रजनीश पांडे ने किया ।

इसके साथ ही पूरे प्रदेश के शिक्षण संस्थानों, चिकित्सालय, फार्मेसी संस्थानों उद्योगों आदि में भी श्री श्राफ को याद किया गया ।

फार्मासिस्ट फेडरेशन से जुड़े सभी संघों और फेडरेशन की यूथ विंग तथा वैज्ञानिक समिति, सेवानिवृत्त विंग आदि द्वारा संगोष्ठी में सहभागिता की गई जिसमें प्रो सराफ के जीवन और उनके संघर्षों पर विस्तृत चर्चा हुई । संगोष्ठी का प्रारंभ केक काटकर और चित्र पर माल्यार्पण के उपरांत हुआ । फेडरेशन द्वारा एम एल सराफ के बारे में लेखन और पोस्टर ईमेल पर आमंत्रित किए गए जिस पर सैकड़ों लेख पोस्टर आए हैं ।

स्टेट फार्मेसी काउंसिल उत्तर प्रदेश के पूर्व चेयरमैन और फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया द्वारा प्रो सराफ के जन्मदिन 6 मार्च को ष्नेशनल फार्मेसी एजुकेशन डेष घोषित किया गया है । प्रोफेसर सराफ ने भारत में फार्मेसी शिक्षा को प्रारंभ कर उसे बढ़ाने में महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय योगदान दिया है । इसलिए आज उनके प्रयासों को याद करने का दिन है । कार्यक्रम में फेडरेशन के संरक्षक और फीपो के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के के सचान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जे पी नायक, महामंत्री अशोक कुमार ने भारत में फार्मेसी शिक्षा के विकास पर विस्तृत व्याख्यान दिया । श्री सुनील यादव ने कहा कि भारत में फार्मेसी शिक्षा के साथ ही इंडियन फार्मास्यूटिकल एसोसिएशन के गठन आदि में प्रोफेसर श्रॉफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा है । उन्होंने मानव समाज पर दवाओं के कुप्रभाव को रोकने के लिए चीतउंबवअपहपसंदबम बनाने के लिए अनुरोध किया ।

श्री जय सिंह सचान अध्यक्ष रिटायर विंग ने कहा कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में प्रो. श्रॉफ ने फार्मेसी को अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण मिशन के रूप में अपनाया। 1931 में ड्रग्स इंक्वायरी कमेटी की रिपोर्ट पेश की गई। श्रॉफ ने ड्रग्स इंक्वायरी कमेटी की रिपोर्ट की सिफारिशों को बहुत गंभीरता से लिया और इस विशाल देश में फार्मास्युटिकल उद्योग की उज्ज्वल संभावनाओं की कल्पना की।

यूथ विंग के अध्यक्ष आदेश ने कहा कि 1932 में, जब भारत में विज्ञान और संगठित पेशे के रूप में फार्मेसी लगभग न के बराबर थी, तब वे मालवीय जी को भारत में औषधि विज्ञान की महान संभावनाओं के बारे में समझा सके । महान दूरदर्शी मालवीयजी को इसके महत्व का एहसास होने में देर नहीं लगी और उनके संरक्षण में प्रो. श्रॉफ ने भारत में फार्मास्युटिकल शिक्षा के आयोजन का अपना कार्य शुरू किया। यहां तक कि उन्होंने इस परियोजना के लिए धन इकट्ठा करना भी शुरू कर दिया और इस तरह 1932 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में पहली बार फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री शिक्षा स्थापित करने में सफल रहे, जो बाद में फार्मास्यूटिक्स के पूर्ण विकसित विभाग के रूप में विकसित हुआ। यह संयुक्त राज्य अमेरिका की शिक्षा प्रणाली के समतुल्य आधुनिक फार्मास्यूटिकल शिक्षा की शुरुआत थी।

प्रो. श्रॉफ ने इस प्रकार इस देश में औषधि शिक्षा की आधारशिला रखी।

दिसंबर 1935 में, उन्होंने संयुक्त प्रांत फार्मास्युटिकल एसोसिएशन की शुरुआत की, जिसके वे संस्थापक सचिव थे। इसके तुरंत बाद प्रो. श्रॉफ का आंदोलन उत्तर प्रदेश (तत्कालीन संयुक्त प्रांत) की सीमाओं को पार कर गया।

दिसंबर 1939 में यूपी फार्मास्युटिकल एसोसिएशन का विस्तार किया गया और अन्य राज्यों में शाखाओं के साथ इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन बन गया। उसी वर्ष के दौरान उन्होंने इंडियन जर्नल ऑफ फार्मेसी का प्रकाशन शुरू किया और 1943 में बनारस छोड़ने तक लगभग चार वर्षों तक इसके प्रधान संपादक रहे।

1940 में ड्रग्स एक्ट पारित कराने में प्रो. श्रॉफ की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

आज भारत में फार्मेसी में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर, पीएचडी के साथ ही फार्म डी की शिक्षा दी जा रही है हालांकि अभी भी भारत में फार्मास्यूटिकल केयर के अनुसार फार्मेसिस्टो का मानक नहीं बन सका है, इसलिए रोजगार के क्षेत्र में अभी बहुत कार्य किया जाना बाकी है ।

फेडरेशन द्वारा सरकार को इस संबंध में आवश्यक सुझाव भेजा जायेगा ।

कार्यक्रम को फेडरेशन के जिला सचिव जीसी दुबे, उपाध्यक्ष शोएब, यूथ विंग के प्रदेश सचिव अवधेश, अजीत, आदर्श, सेवानिवृत्त विंग के प्रदेश अध्यक्ष जय सिंह सचान, हिमांशु पटेल, संदीप वर्मा, राजन यादव, सविता, श्रद्धा, राजन, रिमझिम, स्नेहा, आकांक्षा, आलोक, रविन्द्र यादव आदि ने संबोधित किया ।

एसपी ने जनसुनवाई के दौरान दो दर्जन प्राप्त प्रार्थना पत्र (पशिकायतों) पर प्रभावी कार्यवाही के लिए दिया निर्देश

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हरदोई पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान दो दर्जन शिकायतों को सुना। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों को पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखा। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रार्थना पत्र (शिकायतों) पर गम्भीरता से विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित और प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया

जाएगा और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील की। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस अधीक्षक के प्रयासों की सराहना की।

केनरा बैंक अंचल कार्यालय में महिला दिवस मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव के. रवि कुमार के मार्गदर्शन और वरिष्ठ उपाध्यक्ष धनंजय सिंह के दिशा निर्देश पर केनरा बैंक के अंचल कार्यालय में महिला दिवस सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक रंजीव कुमार जी ने की। कार्यक्रम में बैंक की सभी महिलाओं हेतु अपोलो मेडिक्स अस्पताल, लखनऊ द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की गई, इस अवसर पर लखनऊ की विभिन्न शाखाओं में कार्यरत महिलाओं ने गीत एवं नृत्य के माध्यम से शानदार प्रस्तुति दी तथा महिलाओं के बीच विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन

किया गया। कार्यक्रम में उप महाप्रबंधक संजय कुमार, प्रदीप कुमार आर, राजेश के एस, सहायक महाप्रबंधक मुकेश मल्होत्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन लखनऊ महिला इकाई की श्रीमती नेहा उपाध्याय, सुबूही, कीर्ति, सारिका, सोनल, नेहा यादव आदि की उत्कृष्ट भूमिका रही।

मैत्री में हक नहीं, कर्तव्य होता है - रमेश भइया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।विनोबा विचार प्रवाह एकवर्षीय मौन संकल्प का ,आज 70 वां दिन , वरिष्ठ समाजसेवी रमेश भइया ने लिखा कि आजकल प्रवाह में वेद चिंतन प्रवाहित हो रहा है आज तीन मंत्र उद्धृत किए गए हैं। अज्येष्ठासो अकनिष्ठासरू एते सं भ्रातरो वावृधुरू सौभगाय मैत्री में हक नहीं, कर्तव्य होता है. बाबा विनोबा कहते हैं कि रोम,एथेंस, जैसे बड़े बड़े शहर आए और चले गए,लेकिन मनुष्य की स्मृति में गोकुल अभी कायम है क्योंकि वह एक आदर्श गांव था।सब भाई – भाई के सामने रहते थे, सबको मक्खन खाने को मिलता था । परंतु भाईऋ भाई के तौर पर रहना भी वेद को सहन नहीं होता। भाई में भी एक बड़ा और एक छोटा होता है। वेद कहता है कि हम ऐसे भाई होंगे जिसमें कोई छोटा बड़ा भी न हो। वेद के एक मंत्र में एक बात और जोड़ दी है,अमध्यमरू यानी जिसमें मध्यम भी कोई नहीं है। सबके सब भगवान के सेवक हैं।आदर्श समाज को हंसवर्ण कहा गया है अर्थात

हंस के रंग के समान निष्पाप, निष्कलंक,निर्मल। आज बंधुत्व बंधन का सूचक बन गया है।बंधु और बंधन,दोनों शब्द एक ही धातु से निकले हैं,इसलिए बंधु कहलाने में कुछ न कुछ बंधन है,ऐसा वेद को लगता है। सुंद उपसुंद दो भाई थे। दोनों शक्तिशाली थे और जैसे जैसे उनकी शक्ति बढ़ती गई वैसे वैसे ईश्वर का भी भय बढ़ता गया। अंत में ईश्वर ने उन्हें पराभूत करने के लिए तिल में से तिलोत्तमा नाम की एक सुंदर स्त्री उत्पन्न की और उसे उन दोनों भाइयों के पास भेज दिया। दोनों भाइयों को लगा कि ऐसी सुंदर स्त्री के योग्य तो मैं ही हूं। दोनों झगड़ने लगे। पांडव जैसे भाई होते तो कोई उपाय निकाल लेते,लेकिन यहां सुंद की गदा उपसुंद के सिर पर पड़ी और देखये ही देखते धूल में मिल गए। अंग्रेजी में एक कहावत है कि पानी से खून ज्यादा गाढ़ा होता है। लेकिन बाबा कहते थे कि पानी खून से ज्यादा विशुद्ध होता है।पानी की शुद्धि पानी से ही है। भाईचारा शब्द से वेद को खतरा लगा यद्यपि वह प्रेम की वस्तु है लेकिन कोई छोटा न हो कोई बड़ा भी न हो।यह खतरा मैत्री में नहीं है।ऋग्वेद के इस मंत्र में बाबा को अत्यंत प्रेम का दर्शन हुआ।

बाबा विनोबा को मैत्री शब्द बंधुभाव से ज्यादा बचपन से ही खींचता था। ईसा मसीह ने आखिर में अपने शिष्यों से कहा कि अब तुम मेरे मित्र बन गए ही,शिष्य और सेवक नहीं रहे। बुद्ध भगवान ने अपने शिष्यों से कहा कि तुम बिहार करो। उनको उन्होंने नाम दिया मैत्री बिहार। विश्व मैत्री के लिए बिहार करो। मैत्री में हार्दिक एकता और पूर्ण प्रेम की बात है।मित्रों में कोई कम योग्य कोई अधिक योग्य का सवाल नहीं आता।प्रेम गुणों को बढ़ाता है और दोषों को क्षमा करता है।वेदों में भी कहा है कि आसपास की दुनिया मेरी ओर मित्र की निगाह से देखे,तो मैं भी सारी दुनिया की ओर मित्र की निगाह से देखूंगा। मैत्री में हक नहीं होता,कर्तव्य होता है। न ऋते श्रांतस्य सख्याय देवारू। श्रम करके मनुष्य जब शांत हो जाता है,थक जाता है,तब देव उसे मदद करते हैं।कोई आलसी हो,व्यसनी हो,ऐसे लोगों की परमेश्वर मदद नहीं करता। तुकाराम भी कहते हैं– तटस्थ ते ध्यान उभें विटेवरी ईंट पर खड़े होकर विठोबा कहते हैं कि नदी देखो,कमर भर ही है।वह हांथ पकड़कर आपको पार नहीं कराता।और कहते हैंऋ भगवान के पास मोक्ष की गठरी धरी नहीं है कि वह उठाकर उसे आपके हाथ में थमा दे। उसके लिए आपको श्रम करके थकना होगा। जो अक्ल उसने आपको दी है, उसका पूराऋपूरा उपयोग किए बगैर वह आपकी मदद के लिए कभी नहीं आएगा। श्रम में हमारे सबके हाथ नहीं लगते हैं तो देव क्यों अपनी उंगली लगाएगा।भक्त श्रम करके थके बिना भगवान उसे मदद नहीं करता।यह उसकी रीति जाहिर हो है।इसलिए नम्रता से काम में लगें,दृढ़ निश्चय रखें,सातत्य टिकाएं, किसी का हृदय न दुखाएं और मुफ्त का यश प्राप्त करें।

यो जागार भारत में विद्या का अध्ययन प्राचीन काल से चल रहा है।विद्यार्थी उषयकाल से अपने गुरु के पास विद्याध्ययन करते थे।वे बड़े तड़के उठते और कुछ चिंतन मनन भी करते थे।

देश की सांस्कृतिक विरासत से होगा सतत विकास की चुनौतियों का निदान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. सुरेंद्र सिंह सभागार में समाज कार्य विभाग आकाशवाणी लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में "सतत विकास रू अवसर एवं चुनौतियाँ" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य वर्त्तमान समय में सतत विकास के मार्ग में आने वाली बाधाओं एवं अवसरों पर युवाओ का मत जानना था ।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रति कुलप्रति प्रो. मनुका खन्ना ने विकसित और विकासशील देशों में सतत् विकास के अंतर पर अपने विचार रखे तथा प्राचीन भारतीय जीवनशैली और पर्यावरण से उसके जुड़ाव के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ. अजीत चतुर्वेदी (मुख्य कार्यक्रम निदेशक, आकाशवाणी) ने सतत् विकास की प्रक्रिया पर अपने विचार व्यक्त किए, जिसमें सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सतत् विकास के 17 लक्ष्यों पर चर्चा की। उन्होंने 2047 तक भारत को एक सशक्त विकसित राष्ट्र बनाने में हमारे योगदान पर विचार साझा किए और आकाशवाणी के ष्न्यूज ऑन एआईआरष ऐप के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि, प्रो. ध्रुव सेन सिंह, विभागाध्यक्ष, भूगर्भशास्त्र, लखनऊ विश्वविद्यालय ने पृथ्वी, प्रकृति और मानव उत्पत्ति के गहरे संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने मानव जनित गतिविधियों के नकारात्मक प्रभाव और संसाधनों की कमी के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की तथा भारतीय संस्कृति में सतत् विकास की अवधारणा पर चर्चा की।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम की रूपरेखा को प्रस्तुत करते हुए प्रो० राकेश द्विवेदी , विभागाध्यक्ष, समाज कार्य, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा सतत् विकास में समाज कार्य की भूमिका एवं नागरिकों

के नैतिक कर्तव्य पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विभाग द्वारा भविष्य में सतत् विकास संबंधी विषयों पर किए जाने वाले प्रयासों तथा भारतीय परिप्रेक्ष्य में समाज की प्रक्रियाएं, जो सतत् विकास को प्रभावित करती हैं, के बारे में जानकारी प्रदान की। साथ ही समाज कार्य विभाग के छात्रों से सतत् विकास लक्ष्य से जुड़े मॉडल पर कार्य करने की बात कही।

कार्यक्रम को दो सत्रों में विभाजित किया गया था, जिसमें प्रथम सत्र में उद्घाटन तथा द्वितीय सत्र तकनीकी सत्र के रूप में संचालित किया गया। द्वितीय सत्र में छात्र–छात्राओं को सतत विकास के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त करने के अवसर प्रदान किए गए।

द्वितीय सत्र के आरंभ में तकनीकी सत्र के रूप में प्रो. रोली मिश्रा (अर्थशास्त्र, लखनऊ विश्वविद्यालय) ने अर्थशास्त्रीय और कृषि गतिविधियों के पर्यावरण पर प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि हमारी आर्थिक गतिविधियों ने पर्यावरण को किस प्रकार नुकसान पहुंचाया और यह भी समझाया कि जीवनशैली में बदलाव करके हम सतत् विकास को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।

डॉ. अनामिका श्रीवास्तव (असिस्टेंट डायरेक्टर, आकाशवाणी) ने सतत् विकास को लेकर आकाशवाणी के प्रयासों की जानकारी दी तथा ई–कचरा और औद्योगिक कचरे के दुष्प्रभावों पर अपने विचार साझा किए।

डॉ. अन्विता (सहायक प्राध्यापिका, समाज कार्य विभाग) ने ओपन सेशन के दौरान छात्रों के साथ चर्चा की कि एक नागरिक और समाज कार्यकर्ता के रूप में हमारी भूमिका और योगदान क्या होना चाहिए। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों, पारिस्थितिकी और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व को समझाया और यह बताया कि जीवनशैली में सुधार से हम सतत् विकास में अपनी भूमिका कैसे निभा सकते हैं।

डॉ. रमेश त्रिपाठी (सहायक प्राध्यापक, समाज कार्य विभाग) ने सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय स्थायित्व के महत्व तथा सामुदायिक भागीदारी की भूमिका पर चर्चा की।

समाज कार्य विभाग के शोधार्थियों ने निम्नलिखित विषयों पर अपने विचार साझा किएरू

मंजरी तिवारी – सतत् उपभोग और उत्पादन

अम्बरीन अब्दुल्लाह – मानव, पर्यावरण और समृद्धि

शिवांगी त्रिवेदी – समाज कार्यकर्ताओं की सतत् विकास में भूमिका

कृतिक राज – जलवायु परिवर्तन

यह कार्यक्रम सतत् विकास की चुनौतियों और संभावनाओं पर केंद्रित रहा और यह समझने का प्रयास किया गया कि एक नागरिक के रूप में हमारा दायित्व क्या होना चाहिए। साथ ही, समाज में जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग के शिक्षक, शोधार्थी, छात्र–छात्राओं, आकाशवाणी लखनऊ के मुख्य अधिकारी एवं उनकी टीम के सदस्य समेत लगभग 125 लोग उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस" के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक में "कवि–सम्मेलन" का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक) लखनऊ के तत्वावधान में भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, लखनऊ में "अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस" के अवसर पर "कवि–सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस भव्य कवि सम्मेलन का आरंभ उप महाप्रबंधक एवं

मण्डल विकास अधिकारी राजेश कुमार मीणा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर एवं आमंत्रित कवियों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र प्रदान कर किया गया। उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक परिवार के लिए समय निकालने और अपने सरस काव्य–पाठ के लिए आमंत्रित कवियों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। इस कवि–सम्मेलन में, अपने हास्य व्यंग्य की विशिष्ट शैली से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और उपस्थिति रखने वाले सर्वश्री मुकुल महान, वरिष्ठ गीतकार और कवयित्री रंजना शेखर और अत्यंत प्रतिभाशाली युवा गीतकार अखण्ड प्रताप सिंह ने काव्य–पाठ किया। कवियों का परिचय श्री अभिषेक शुक्ला ने करवाया। इस अवसर पर विशेष रूप से आमंत्रित महिला सहकर्मियों के साथ ही नराकास के सदस्य कार्यालयों के स्टाफ सदस्य तथा कार्यालय के उप महाप्रबंधकगण एवं सहायक महाप्रबंधकगण भी उपस्थित रहे। अंत में सहायक महाप्रबन्धक (राजभाषा) दिवाकर मणि ने कवियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह विशिष्ट काव्य–संध्या उपस्थित समस्त श्रोतागणों की स्मृतियों में लंबे समय तक दर्ज रहेगी, हम भविष्य में भी ऐसे साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने हेतु प्रतिबद्ध हैं।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के.द्विवेदी ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित दो दिवसीय कुलाध्यक्ष सम्मेलन में लिया भाग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के. द्विवेदी ने दिनांक 3–4 मार्च को राष्ट्रपति भवन में आयोजित दो दिवसीय कुलाध्यक्ष सम्मेलन में भाग लिया। कुलपति ने बीबीएयू का नेतृत्व करते हुए एक शिक्षाविद् के तौर पर इस सम्मेलन में प्रतिभाग किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस कुलाध्यक्ष सम्मेलन ने दूरदर्शी नेताओं, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं को भारत में उच्च शिक्षा के भविष्य पर विचार–विमर्श करने के लिए एक साथ एक मंच पर लाने का कार्य किया। सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विकसित भारत के लक्ष्य एवं इस यात्रा में विद्यार्थियों एवं शैक्षणिक संस्थानों के योगदान से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किये एवं युवा विद्यार्थियों को 21वीं सदीं की दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। कुलपति

प्रो. एस.के. द्विवेदी ने कुलाध्यक्ष सम्मेलन के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि इस सम्मेलन के दौरान पांच सत्रों का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत मुख्य तौर पर शैक्षणिक संस्थानों और छात्रों को वैश्विक मांग के अनुसार बढ़ावा देना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, प्रयास, नवाचार एवं अनुसंधान के क्षेत्र में प्रगति, उद्योग और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच आदान–प्रदान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से शिक्षा प्रणाली का विकास, विद्यार्थियों की शिक्षा में निवेश को प्राथमिकता, विद्यार्थियों के लिए समग्र, समावेशी, उच्च–गुणवत्ता वाले और सुलभ शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण एवं 2047 तक विकसित देश बनने की यात्रा के रोड मैप का निर्माण आदि विषयों पर गंभीरता से चर्चा की गयी। सम्मेलन में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी एवं डॉ सुकांत मजूमदार के साथ सचिव, उच्च शिक्षा विभाग विनीत जोशी ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

राष्ट्रीय कायस्थ विचार फाउडेशन की बैठक मे अमरेश सिन्हा बने (पूर्वी) उत्तर प्रदेश इकाई के प्रांतीय अध्यक्ष

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। शहर के चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज में राष्ट्रीय कायस्थ विचार फाउंडेशन (रजी.) नई दिल्ली की बैठक के.सी.श्रीवास्तव,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं प्रभार उत्तर प्रदेश इकाई की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक मे राष्ट्रीय महामंत्री विजय प्रकाश श्रीवास्तव,राष्ट्रीय महामंत्री,गाजियाबाद रहे। बैठक के दौरान सभा स्थल चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज में के .सी.श्रीवास्तव,अमरेश श्रीवास्तव, प्रज्ञा श्रीवास्तव, कैलाश लाल श्रीवास्तव,वीरेंद्र श्रीवास्तव,सुषमा श्रीवास्तव, रेखा श्रीवास्तव आदि उपस्थित रही तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।बैठक में सर्व सम्मति से अमरेश सिन्हा को उत्तर प्रदेश (पूर्वी) इकाई का प्रांतीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।